श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

द्वितीय वर्ष- अभ्यास - ९

फरवरी-२०23
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. जिस कर्म के उदय से सभी लोगों को मान्य वचन की प्राप्ति हो वह ..... है ।
२. ..... आये तो ही सामायिक की सच्ची सफलता है ।
३. ..... सत्ता और अस्तित्व मेतार्य मानने को तैयार नहीं थे ।
४. ऐरावत क्षेत्र की मुख्य दो नदियाँ ..... में से निकलती हैं ।
५. धर्म कथा का स्थान घर घर में ..... ने लिया है ।
६. शय्या, संथारक तथा उसकी भूमि की प्रमादसहित प्रतिलेखना की हो तो ..... अतिचार जानना ।
७. ऐश्वर्य विशिष्टता..... का भेद है ।
८. ..... अपने जीवन का एक अंग होना ही चाहिये ।
९. जंबुद्वीप के बराबर मध्य में ..... क्षेत्र आता है ।
१०. ..... छूट रख कर शेष रहा प्रदेश वह पुनरपि नियम में लेना ।
११. जिस जीव को जितनी पर्याप्ति कही है उतनी पूरी करके मरे तो वह ..... है ।
१२. नरकांता और नारीकांता ..... की नदियाँ हैं ।
१३. मेतार्य स्वभाव से ..... नहीं थे ।
१४. देसावगासिक व्रत में कम से कम .....व्रत अपेक्षित है ।
१५. ..... की आराधना आत्मा के हित के लिये साधक को करनी है ।
१६. आकाश जिस तरह अनंत है ..... भी अनंत है ।
१७. ..... का उदय केवलज्ञानी भ. को ही होता है ।
१८. इस काल में ..... जो हैं वह अभ्यास मात्र है ।
१९. तप के बल से महान जिनका ..... धूल (रज) तथा मैल नाश हुआ है ।
२०. वृद्ध श्राविका मृत्यु पाकर ..... देवलोक में देवी रुप उत्पन्न हुई ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो -

१. दिन की पूर्णता के पश्चात श्रावक और साधु आवश्यक क्रिया के बाद क्या करें ? १५
२. आत्मा की शक्तिओं को अटकाने का काम कौन करता है ?
३. सितोदा नदी स्वयं के प्रपात में पड कर कौन से क्षेत्र में से बहती है ?
४. रुप के अनुसार से स्व पना दूसरों को जताना वह कौनसा अतिचार है ?
५. मेतार्य किस वेद पद का अर्थ गलत करते थे ?
६. अजित शांति स्तव में समृद्धि और आनंद प्रदान करने की विनंति किसने की है ?
७. सामायिक के पच्चक्खाण के नियम के भेद में (भांगे) कितने नियम आते हैं ?
८. केसरी द्रह किस पर्वत पर आया है ?
९. अजितनाथ और शांतिनाथ भ. को किसमें श्रेष्ठ बताया है ?
१०. अंग, उपांग और अंगोपांग की नियत स्थान पर रचना करने का काम कौन करता है ।
११. पौषधार्थीओ को किसकी तरह संथारा करना चाहिये ?
१२. मेतार्य, गणधर बनने से पहले क्या थे ?
१३. स्वयं के स्वजन धर्म पायें इसके लिये श्रावक को क्या करना चाहिये ?
१४. सामायिक जैसा तैसा करके उतावल से पारे तो कौन सा अतिचार लगता है ?
१५. स्वाध्याय सुनने से जिनशासन को कौन से महान आचार्य की भेंट मिली ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) कयंपि २) कुलाल ३) निअमणं ४) निवडंति ५) अभिनंदि ६) विउलं ७) जंति ८) ति ९) जसकित्तिओ
१०) अविहिय ११) जलहिंमि १२) पयास १३) मअे १४) जिट्ठा १५) सीयाइ १६) पख्खति १७) गुरुअं
१८) अट्ठिमाइ १९) विवज्जत्थं २०) सत्थिय

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) दिशा	१) पद्म	६) वत्स	६) झंझापात
२) विकथा	२) दत्तविप्र	७) प्रमार्जना	७) निषध
३) उपघात	३) समुद्र	८) प्रेषण	८) वचन
४) प्रपात	४) लब्धि	९) वरुणा	९) प्रतिलेखन
५) द्वीप	५) देश	१०) करण	१०) आनयन

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. एक उपवास बराबर कितनी गाथा का स्वाध्याय होता है ?
२. स्थावर दशक की कुल प्रकृतियाँ कितनी ?
३. पौषध के प्रकार कितने ?
४. अन्य नदियाँ मिलकर सिंधु नदी का परिवार कितना ?
५. सामायिक में काया के दोष कितने ?
६. मेतार्य गणधर का केवली पर्याय कितना ?
७. पूर्व महाविदेह में विजयों की संख्या कितनी ?
८. देसावगासिक व्रत में कितने सामायिक करना रहते है ?
९. अपनी आत्मा में दानादि लब्धियाँ कितनी ?
१०. अभ्यंतर क्षेत्र में नदियों की संख्या कितनी ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. क्रोधरुपी अग्नि से ग्रसित पुरुष करोड वर्ष के किये हुए सुकृत को घडी मात्र में जला डालता है ।
२. पौषध साधुता की प्राप्ति के लिये सीढी है ।
३. जिस जीव ने सभी पर्याप्तियाँ पूर्ण की है वह लब्धि पर्याप्त है ।
४. अजितनाथ और शांतिनाथ भ. मगर और अश्व लांछन वाले हैं ।
५. सीतोदा नदी उत्तरकुरु में बहकर मेरुपर्वत का घुमाव लेती है ।
६. धर्मदास श्रावक कालधर्म पाकर मोक्ष में गये ।
७. अभ्यास तो जन्मांतर में भी मनुष्य के पीछे चलता आता है ।
८. स्मृतिविहिन अतिचार देशावगाशिक व्रत में आता है ।
९. मेतार्य गणधर का जन्म काश्यप गोत्रिय ब्राम्हण के घर हुआ था ।
१०. भरत क्षेत्र के दो विभाग वैताढ्य पर्वत से होते है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. श्रावक का लक्ष्य तो साधुपने का ही हो जिससे संसार में समय होते स्वयं की बाजी समेटने का धीमे धीमे प्रयास करे ।
२. असद् मार्ग से आत्मा को वापिस लौटाती है, सदाचार संपन्न बनाती है ।
३. परलोक गमना-गमन न मानने में आये तो पूर्वजन्म पुनर्जन्म का बडा प्रश्न खडा हो ।
४. सूर्य के विमानरुप रहे बादर पर्याप्त पृथ्वीकाय जीवों को आतप नामकर्म का उदय होता है ।
५. श्रुतसागर में उसके स्वाध्याय में गोताखोर बनकर गोता लगाये उसे श्रुतसागर में से रत्न मिलतें हैं ।
६. आत्मा की निर्मलता प्राप्त करने के लिये शुद्धि सम्भालना अत्यंत आवश्यक है ।
७. मन के व्यापार से जो पाप लगे उसका मिच्छामि दुक्कडं देने से पाप से छूट जाते हैं ।
८. कुम्भार दूध वगैरह के लिये सुघट, अच्छे, सुंदर घडे भी बनाते और मदिरा वगैरह के लिये कुघट भूंभला भी बनाते है ।
९. महाविदेह में सीता सीतोदा नदियाँ मुख्य है ।
१०. बहुत गुणो के प्रसाद वाला, उत्कृष्ट मोक्ष के सुख से खेद रहित अजीतनाथ और शांतिनाथ भ. का जोडा मेरे खेद का नाश करो ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. जीवन में स्वाध्याय का महत्व
२) अंतराय कर्म
३) सामायिक की साधना
४. मेतार्य गणधर और प्रभु का समाधान
५) अभ्यंतर क्षेत्र तथा उसकी नदियाँ

उत्तर पत्र लिखे पते पर भेजिए : सौ. काश्मीरा विनोद लोडाया
शाह गोविन्दजी वीरम फेक्टरी कम्पाउन्ड, मोंढा रोड, औरंगाबद (महा.) ४३१ ००१
सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.achalgach.com